कृषि कैबिनेट से होगा विकास

विकास उत्सव

• कृषि तथा किसानों की समृद्धि के लिए सरकार तत्पर

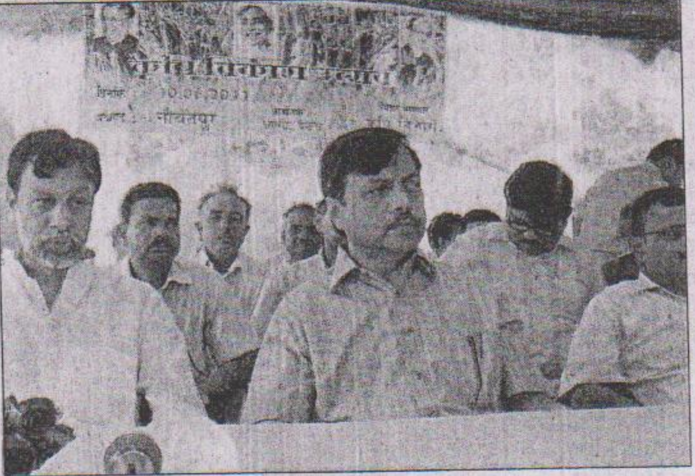

बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त व विधायक जागरण

नौबतपुर, प्रतिनिधि : कृषि कैबिनेट किसानों की समस्याओं का शीघ्र निदान कर विकास के नये द्वार खोलेगा। उक्त बातें कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक कुमार सिन्हा ने कृषि विकास उत्सव के उद्घाटन भाषण में कहीं। उन्होंने श्री विधि से धान की खेती को कृषि के क्षेत्र में क्रांति बताया। वहीं विधायक अनिल कुमार ने कहा कि राज्य सरकार की कृषि विकास के प्रति रुझान का ही नतीजा है कि आज राज्य में पहली बार कृषि कैबिनेट की स्थापना की गई है। कृषि तथा किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार सदैव तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि कृषि और किसान दोनों की समृद्धि के लिए सरकार तत्पर है। जिला कृषि पदाधिकारी गणेश राम ने कहा कि राज्य के किसानों को वैज्ञानिक गुर सीखने से लेकर अनुदान वितरण तक में कोई दिक्कत नहीं आने दी जायेगी। इस मौके पर कृषि वैज्ञानिकों ने यहां ढैंचा (हरी खाद) एवं वर्मी कंपोस्ट तथा जैविक खाद का उपयोग करने पर जोड़ दिया। अधिकारियों ने कृषि ऋण में बैंकों द्वारा की जा रही कोताही पर कड़ी आपत्ति जताया और शीघ्र इसका निदान करने को कहा। मौके पर दानापुर के अनुमंडल पदाधिकारी, संयुक्त सचिव पंकज कुमार पाल, आत्मा के उपनिदेशक वृजेंद्र मणि, उप निदेशक सूचना आभांशु सी जैन, निदेशक बामेती डा. आरके सोहाने, किसान श्री अजय कुमार सहित सैकड़ों किसान उपस्थित थे। इस मौके पर पंजाब नेशनल बैंक की नौबतपुर शाखा द्वारा एक ट्रैक्टर, 40 किसानों को केसीसी, बारह पशुपालकों डेयरी ऋण एवं तीस भूमिहीनों को सामूहिक कृषि ऋण वितरित किया। कार्यक्रम का संचालन दानापुर के अनुमंडल कृषि पदाधिकारी ब्रजेश मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन आत्मा के परियोजना निदेशक डा. वेदनारायण सिंह ने किया।

वैज्ञानिक खेती अपनाएं किसान : विधायक

मनेर प्रतिनिधि : आत्मा द्वारा आयोजित कृषि विकास उत्सव का उद्घाटन शुक्रवार को स्थानीय विधायक भाई वीरेन्द्र ने किया। मुखिया अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में हुए विकास उत्सव में भाई विरेन्द्र ने कहा कि किसान वैज्ञानिक तरीके से खेती कर आर्थिक रूप से सुदृढ हो सकते हैं। किसान उन्नत ढंग से खेती कर दूसरे के लिए प्रेरणा बनें। मौके पर अंचलाधिकारी अनिल कुमार, गणेश राम, मिथलेश पाण्डेय, केशव सिंह समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे। इस मौके पर कुछ किसानों को मुफ्त में बीज व कृषि उपकरण दिये गये।